Otto Böhtlingk & Rudolph Roth: Sanskrit-Wörterbuch, Part 3, Petersburg 1861

तालीय s. काकतालीय.

तालीयक (von ताल) *Cymbel* R. 5,13,54.

तालीश (ताली + ईश) N. eines Baumes, *Flacourtia cataphracta Roxb.*, dessen Blätter medicinisch gebraucht werden, Ainslie 2,407. Vjutp. 135. R. 4,44,55. Suçr. 1,143,7. 2,24,5. 39,11. 276,2. 324,5. 339,8. 499,9. °पत्र 284,20. Nach Râǵan. im ÇKDr. ist तालीश n. = तालीशपत्र n. Das letztere ist nach H. an. 5,40 = तामलकी und तालीशक, nach Med. r. 304 = भूम्यामलकी und तालीश.

तालीशक s. u. तालीश.

तालु Uṇâdis. 1,5. n. Siddh. K. 248, *b*, 5 v. u. *Gaumen* AK. 2,6,2,42. H. 585. VS. 25,1. Kauç. 29. ṚV. Prât. 1,11. Suçr. 1,127,3. 128,10. 306,2. fgg. 339,19. Ṛt. 1,11. Varâh. Bṛh. S. 50,9. 60,6. 64. 67,53. Bhâg. P. 1,18,27. 3,6,13. masc. MBh. 14,568. Hariv. 14273. Bhâg. P. 2,1,30. °स्थान *palatal* (von Lauten) ṚV. Prât. 14,18. Çâṅkh. Çr. 1,2,4. °ज्ञ Suçr. 2,130,13. °मूल 1,306,4.

तालुक 1) n. = तालु gaṇa यावादि zu P. 5,4,29. तालुका f. Wils. du. तालुके *die zwei den Gaumen durchziehenden Arterien* Taitt. Up. 1,6,1. — 2) *eine Gaumenkrankheit* (गलरोग) Nigh. Pr.

तालुकण्टक (तालु + क°) *eine best. Gaumenkrankheit der Kinder* Nigh. Pr.

तालुकिन् s. काक°.

तालुक्य patron. von तलुन gaṇa गर्गादि zu P. 4,1,105. Dazu f. तालुक्यायणी gaṇa लोहितादि zu P. 4,1,18.

तालुजिह्व (तालु + जिह्वा) 1) m. *Krokodil* H. 1349. — 2) m. (sic) *das Zäpfchen im Halse* Wils.

तालुन adj. von तलुन gaṇa उत्सादि zu P. 4,1,86.

तालुपाक (तालु + पाक) m. *Eiterbildung am Gaumen* Suçr. 1,306,3. 13. 2,130,11.

तालुपात (तालु + पात) m. *das Einfallen des Gaumens, eine best. Kinderkrankheit* Nigh. Pr.

तालुपीडक (तालु + पी°) *eine best. Gaumenkrankheit der Kinder* Nigh. Pr.

तालुपुप्पुट (तालु + पु°) m. *Anschwellung des Gaumens* Suçr. 2,130,9. 1,306,3; vgl. पुप्पुटस्तालुदेशे 11. पुप्पुटो तालुदत्तजो 92,10.

तालुर s. u. तालूर.

तालुविशोषण (तालु + वि°) n. *das trocken-werden-Lassen des Gaumens* so v. a. *vieles Sprechen:* यद्येष धर्मस्तत्र न विद्यते हि किं सर्वथ तालुविशोषणेन MBh. 8,4760.

तालुशोष (तालु + शोष) m. *krankhafte Trockenheit des Gaumens* Suçr. 1,306,3. 12. auch wohl so zu lesen 2,130,12. Vgl. तालुगलप्रशोष 1,288,19.

तालूर m. *Strudel* H. 1076. — Vgl. तानूर; nach Wils. auch तालुर.

तालूषक = तालु *Gaumen* Jâǵn. 3,87.

तात्प (von तत्प) adj. = तत्प्य *im Ehebett gezeugt:* चत्वारो राजपुत्रास्तात्पाः Kauç. 17.

ताव् nur in der Stelle: क्रव्याद्यानग्निरत्तिकादनुविद्वान्वितावति AV. 12,2,38.52. Viell. ist विधावति (von धाव्) zu lesen.

तावक (von तव, gen. zu त्वम्) adj. subst. f. ई *dein, der Deinige* P. 4,3,3. Vop. 7,22. सुगं तत्ते तावकेभ्यो रथेभ्यः ṚV. 1,94,11. MBh. 3,14621. R. 3,13,15. Kumâras. 5,4. Bhâg. P. 1,8,36. 4,30,37. 5,2,12. 6,9,40. 16,45.

तावकीन (wie eben) adj. dass. P. 4,3,3. Vop. 7,22. Verz. d. Oxf. H. 130,*b*,18.

तावच्छस् (von तावत् mit suff. शस्) adv. *so vielfach* Vop. 7,69. यावच्छो वै रेतसः सिक्तस्य त्वष्टा रूपाणि विकुरुते तावच्छो वै तत्प्रजायते TS. 1,5,9,2.

तावतिक (von तावत्) adj. *für so viel gekauft, so viel werth u. s. w.* P. 5,1,23. — Vgl. तावत्क.

तावतिथ (von तावत्) adj. P. 5,3,53. *der sovielte:* ग्रहणा 77. यावत्सामिधेनि वेदेदमहं तावतिथेन वज्रेणेति Kâtj. Çr. 3,1,9.

तावत्क adj. = तावतिक P. 5,1,23.

तावत्कालम् (von तावत् + काल) adv. *so lange Zeit* Kauç. 141. MBh. 3,16889.

तावत्कृत्वस् (तावत् + कृ°) adv. *so viele Male* P. 1,1,23, Sch. यावत्ति पशुरोमाणि तावत्कृत्वो हि मारणम् M. 5,38.

तावद्दूयस (तावत् + द्व°) adj. *so gross, so viel u. s. w.* P. 5,2,37, Vârtt. 8.

तावद्धा (von तावत्) adv. *in der —, in solcher Anzahl:* ते तु यावत्त एवाज्ञो तावद्धा ददृशे स तैः Ragh. ed. Calc. 12,45.

तावत् (von 1. त) 1) adj. (f. तावती) *so gross, so weit reichend, so lange dauernd, so viel* P. 5,2,39. 6,3,91. Vop. 7,94. यावदिदं भुवनं विश्वमस्ति तावाँ अयं पातवे सोमो अस्तु ṚV. 1,108,2. तावदुषो राधो अस्मभ्यं रास्व यावत्स्तोतृभ्यो अरदो गृणाना 7,79,4. यावतीनामोषधीनां गावः प्राश्नन्ति, तावतीस्तुभ्यमोषधीः शर्म यच्छन्तु AV. 8,7,25. Çat. Br. 1,2,5,13. 5,1,2,11. 9,2,2,2. 4,3,9. यावद्वा एष आतपति तावानेषः 14,1,1,33. यावत्येव वाक्तावती पृथिवी तावानयमग्निः 4,2,18.19. यावदग्निहोत्रमासीत्तावानग्निष्टोमो यावती पौर्णमासी तावानुक्थ्यः TS. 1,6,9,1. यावत्परस्वतः पसस्तावत्ते वर्धतां पसः AV. 6,72,2. 5,22,5. 13,4,44. 19,6,3. Çâṅkh. Çr. 8,21,16. fgg. Kâtj. Çr. 20,2,11. Ḱhând. Up. 8,1,3. — यावानर्थ उदपाने सर्वतः संप्लुतोदके। तावान्सर्वेषु वेदेषु ब्राह्मणस्य विजानतः Bhag. 2,46. आत्मन्यपि न विश्वासस्तावान्भवति सत्सु यः (= यावान्) Sâv. 5,41. यावानधर्मः — तावान् M. 9,249. यावती संभवेद्वृत्तिस्तावतीं दातुमर्हति 8,155. (नित्तेपः) यावान् — तावानेव स विज्ञेयः 194. यावच्छस्यं विनश्येत्तु तावत्स्यात्तेत्रिणः फलम् Jâǵn. 2,161. तावती रात्रिरेव च M. 1,72.73, H. 131. यावतो ग्रसते ग्रासान् — तावतो ग्रसते प्रेत्य दीप्तशूलर्ष्टयोगुडान् M. 3,133. 176.178. 7,61. यथोक्तानि तावत्त्येव फलानि च N. 20,18. तन्मात्राणि च तावत्ति *ebenso viele* Bhâg. P. 3,26,12. M. 1,64. (तण्डुलाः) तावत्त एवासन्भुज्यमाना दिने दिने *verblieben in derselben Anzahl* Kathâs. 7,21. वासांसि यावत्ति लभे तावत्तावद्रमे तथा MBh. 4,264. ते तु यावत्त एवाज्ञो तावांश्च (v. l. तावद्धा) ददृशे स तैः *in derselben Anzahl erschien er ihnen* Ragu. 12,45. यावता क्षणेन तावता *nach wie langer Zeit — nach so langer Zeit, so bald als* Râǵa-Tar. 5,110. तावता *in der Zeit, inzwischen, unterdessen* Kathâs. 10,24. Verz. d. Oxf. H. 155,*b*,40. 156,*a*. 29.35. — तावतैव यज्ञो संस्थितः Ait. Br. 1,11. तावताधिकम् ṚV. Prât. 13,13. जम्बुद्वीपो ऽयं यावत्प्रमाणविस्तारस्तावता (*in demselben Umfange*, nicht etwa mit क्षो° zu verbinden) क्षीरोदधिना परिवेष्टितः Bhâg. P. 5,20,2. तावतात्तर्भूम्यां प्रविष्टः *ebenso tief geht er unter die Erde* 16,7. 8,2,2. गृहीतहृदयस्तन्व्यास्तावतैव

Institute of Indology & Tamil Studies, Cologne University, Germany 9.2.2007